

**gültig ab: 11.12.2022** Österreichische Postbus AG, 4020 Linz Aigengutstraße 20-22, 05-17-17

|  | Montag bis Freitag (Werktag), nicht 24.12.+31.12. |  |   |   |   |  |  |   |   |   |   |   |   |   |   |   |  |   |   |  | Samstag, 24.12. + 31.12. (Werktag) |  |   |   |   |  | Sonntag, Feiertag |  |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |   |  |  |  |   |   |
|--|---------------------------------------------------|--|---|---|---|--|--|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--|---|---|--|------------------------------------|--|---|---|---|--|-------------------|--|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|---|---|
|  |                                                   |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  | ☺ | S | ☺ | ☺ | S | ☺ | ☺ | ☺ | S |  | ☺ | ☺ |  |                                    |  | ☺ | ☺ | ☺ |  | ☺                 |  | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ | ☺ |  |  |  | ☺ | ☺ |

**S** Schultag in OÖ  Fahrzeug: Niederflurfahrzeug mit Rollstuhl-Kinderwagenstellplatz  Hält nur zum Aussteigen

schulfreie Zeiträume (Tage) in ÖÖ (2023): 24. Dez. 2022 bis 06. Jän. 2023, 20. bis 25. Feb., 01. bis 10. April, 04. Mai, 19. Mai, 27. bis 29. Mai, 09. Juni, 08. Juli bis 09. Sep., 27. bis 31. Okt., 02. Nov.

## OÖVV-Kundencenter

Volksgartenstraße 23, 4020 Linz

**Telefon:** 0732 / 66 10 10 66

kundencenter@ooevv.at, [www.ooevv.at](http://www.ooevv.at)

**Öffnungszeiten:**

Mo – Do 8.30 – 12.30 Uhr u. 13.00 – 17.00 Uhr

Fr 7.30 – 13.00 Uhr

